

प्रातःकिरण



11 टीम इंडिया की विंडीज पर धमाकेदार जीत ...

वर्ष : 11

अंक : 66

पटना, रविवार, 16 जुलाई, 2023

विक्रम संवत् 2080

पेज : 12

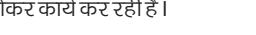
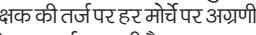
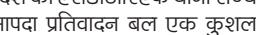
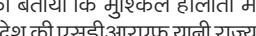
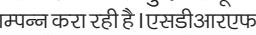
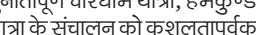
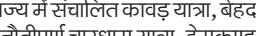
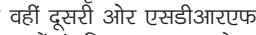
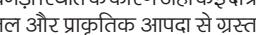
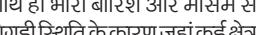
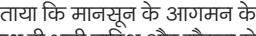
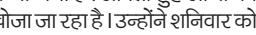
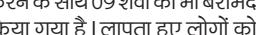
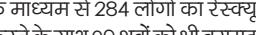
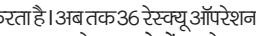
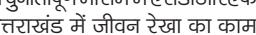
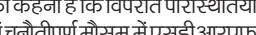
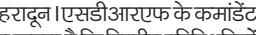
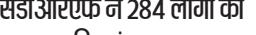
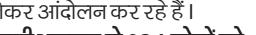
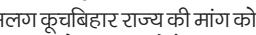
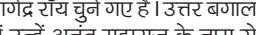
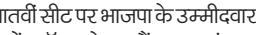
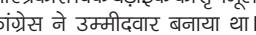
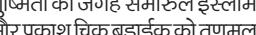
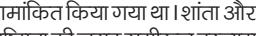
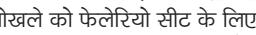
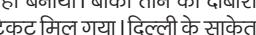
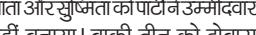
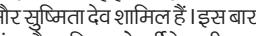
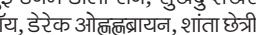
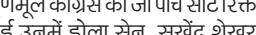
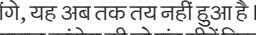
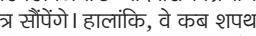
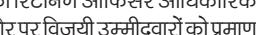
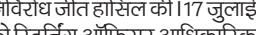
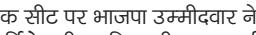
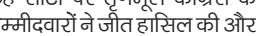
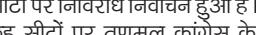
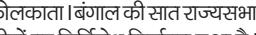
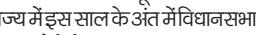
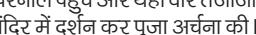
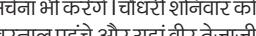
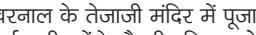
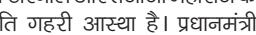
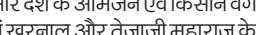
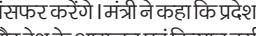
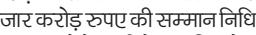
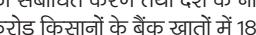
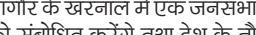
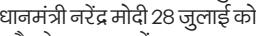
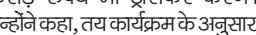
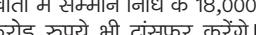
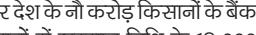
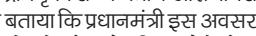
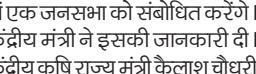
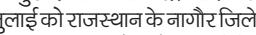
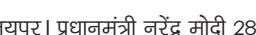
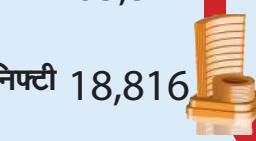
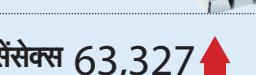
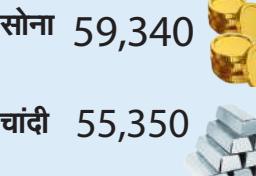
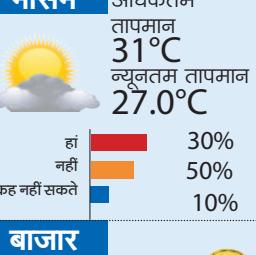
मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkiran.com

f /Pratahkiran

t /Pratahkiran

n /Pratahkiran



विचार मंथन

चंद्रयान-3 : चाँद से मिलने की तमन्ना

यह अतीरक्ष में भारत का बढ़ता तागत का पारिणाम है। अग्रा हमारा चंद्रयान पृथ्वी का कक्षा रहे हैं। लेकिन उसकी सबसे बड़ी धूनौती चंद्रमा की सतह पर सफल स्थापित होने की है। क्योंकि हमारा मिशन चंद्रयान-2 सफलता के कारीग पहुंचने के बाद विफल हो गया था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विफलताओं से हम हार जाएँ। वैज्ञानिकों ने उन तकनीकी खामियों का दूर कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में देश के अंतरिक्ष वैज्ञानिक चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक चंद्रमा पर स्थापित करने में कामयाब होंगे।



प्रेमनुगाय रुपल वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

के में करेंगे। जिसकी वजह कष्ट पर्व दूसरों मिशन चंद

ज्ञान का दूसरे का तरावा न बुद्धि हो हनमाना हमारे सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की वजह से मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। भीषण चक्रवातीय तूफानों की त्वरित सूचना समय पर उपलब्ध होने से लोगों को आपदा से बचा लिया जा रहा है। जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सका है। चंद्रमा कभी हमारे लिए किस्से कहानियों में होता था। दादी और नानी कि कहानियों में उसके बारे में जानकारी मिलती थी। लेकिन आज वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की वजह से हम चांद को जीतने में लगे हैं। चंद्रलोक के बारे में वैज्ञानिक जमीनी पड़ताल कर रहे हैं। चंद्रलोक की बहुत सारी जानकारी हमारे पास उपलब्ध है। दुनिया के लिए चांद अब रहस्य नहीं है। अब वहां मानव जीवन बसाने के लिए भी रिसर्च किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक शोध से यह साक्षित हो गया है कि चांद पर जीवन बसाना आसान है। सफल प्रक्षेपण के बाद लोडिंग करने वाले देश ने रूप में होगी। निश्चित रूप से हम वैज्ञानिकों को इसमें सफलता मिलेगी यह चंद्रयान-2 मिशन को आगे बढ़ाने की कोशिश है। योग्यिक यह अधियान वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बा- भी कक्षा में स्थापित होने के पहल असफल हो गया था। लिहाजा उ अधियान से सबक लेते हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सारी कमियों को दूर कर लिया है। उम्मीद है कि देश का यह अधियान सफल होगा और भारत व नाम अंतरिक्ष युग में स्वर्ण अखरों लिखा जाएगा। चंद्रमा पर सफल औ सुरक्षित लैंडिंग करने वाले अब त सिर्फ तीन देश हैं जिसमें अमेरिका रूस और चीन के बाद भारत व इस बिरादरी में शामिल हो जाएग देश के लिए यह गर्व और गौरव व

୧୮

ह । हम च
पड़े हैं । व
मिसाइल र
जाते थे, त
अत्याधुनिक
जिसका ले
के तकनीक
मानते हैं ।
श्रीहरि कोटि
के द्रंग से च
पूर्वक प्रक्षेत्र
की कक्षा में
प्रधानमंत्री
सफलता पा
हुए कहा था
एक नए च
अतिरिक्ष में
चन्द्रमा के
जानकारी उ
मिशन का

किरादाक और नागदाम जारी परानसा का नहरप

रहता है। शिक्षकों के साथ-साथ माता-पिता भी छात्रों के प्रदर्शन को आकर्णे के लिए शिक्षणिक उपलब्धि को एकमात्र मानदंड के रूप में चुनते हैं। यह एक बहुत कठिन अवधि हो सकती है जिसके दौरान बहुत अधिक समझ, धैर्य और समर्थन की आवश्यकता होती है। आधुनिकीकरण ने कई

उपलब्ध का एकमात्र मानदण्ड के रूप में युनत है। यह एक बहुत काटन अवधि हो सकता है। जिसका दौरान बहुत अधिक समझ, धैर्य और समर्थन की आवश्यकता होती है। आधुनिकीकरण ने काटन सकारात्मक प्रभाव दिए हैं क्योंकि यह बहुत सारे अवसर प्रदान कर रहा है, लेकिन साथ ही, इसने किशोरों के जीवन में कई तनाव पैदा कर दिए हैं। यह तनाव बड़े पैमाने पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। इसलिए, यह बहुत प्रासंगिक है कि छात्रों के मार्गदर्शन और परामर्श की जरूरतों को जाना जाए, ताकि उन्हें इस संबंध में पर्याप्त स्तर पर आवश्यक सहायता सेवा उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा सकें।



सेवानिवृत्त प्रियंपुर शैक्षिक स्तंभका

के
अध
संब

से निपटने और उन्हें आसान बनाने में मदद या सलाह। मार्गदर्शन को गतिविधियों का एक संकल्पनात्मक कार्यक्रम माना जाता है जो जटिल वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के वर्तमान युग में मौजूदा समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। मार्गदर्शन और परामर्श का उद्देश्य व्यवहार परिवर्तन में सहायता करना, मुकाबला करने के कौशल को बढ़ाना, निर्णय लेने को बढ़ावा देना, रिश्ते में सुधार करना और उपयोगकात्रों की क्षमता को सुविधाजनक बनाना है। मार्गदर्शन और परामर्श किसी की प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानने और समझने में मदद करते हैं, अवधिक लक्षणों को दूर करने के लिए एक आशावादी दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करते हैं, यह समाज में बदलावों को अपनाने में संसाधनशीलता और आत्म-दिशा विकसित करने में सहायता करते हैं। मार्गदर्शन और परामर्श स्वस्थ, अधिक उत्पादक बनकर मानव खुशी को बढ़ाने, मूल्यवान सबक प्राप्त करने और शैक्षणिक, सामाजिक, भावनात्मक और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार, ये शिक्षा का एक अभिन्न अंग भी हैं। छोटे बच्चों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श बहुत जरूरी हो गया है और बच्चों में सर्वश्रेष्ठ लाने में स्कूलों की बहुत बड़ी भूमिका है, क्योंकि आज के समय में युवा दिमागों को अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है और शारीरिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक देखभाल में भी मदद मिलती है। और स्कूली छात्रों की व्यावसायिक जरूरतें जो सीखने की बाधाओं को दूर करने में बहुत मदद करती हैं। किशोरावस्था को आम तौर पर एक अशांत अवधि के रूप में माना जाता है और इसे अक्सर जीवन के एक नकारात्मक चरण के रूप में चिह्नित किया जाता है-तूफान और तनाव का एक चरण जिसे जीवित रहना या सहना पड़ता है। इस चरण को यौवन के संबंध में एक महत्वपूर्ण अवधि के रूप में परिभाषित किया गया है और इसे का अर्थ है पहचान हासिल करना उभरना और पहचान हासिल करने के इस रास्ते में चुनौतियों के साथ-साथ बदलावों का सामना करते हुए लंबे समय तक चलना पड़ता है। इस अवधि के दौरान विभिन्न प्रकार के शारीरिक, संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक परिवर्तन होते हैं। किशोरावस्था बाद के बचपन से निकलती है और यौन परिपक्वता, हार्मोन के स्तर में वृद्धि, अधिक स्वतंत्रता की इच्छा, अमूर्त रूप से सोचने की क्षमता, साधियों में बढ़ती रुचि, साथियों या बाहर के साथ संबंधों के कारण माता-पिता से दूरी और एक रोमांटिक रिश्ते के उद्घाटन के साथ वयस्कता में विलीन हो जाती है। किशोरावस्था की विशेषताएँ हैं। ये विशेषताएँ एक बच्चे से वयस्क जैसी बनने जैसी हैं। नवोन्मेषी खोज करने की प्रवृत्ति बचपन की तुलना में किशोरावस्था में अधिक होती है क्योंकि बचपन में गतिविधि का दायरा सीमित होता है क्योंकि बच्चे को अभिभावकों का जैसे भविष्य की वयस्क भूमिका के बारे में निर्णय लेना, पहचान बनाना और देखभाल करने वालों से खुद को अलग करना। किशोरों को स्पष्ट ध्यान देने की आवश्यकता है। आज, लाखों बच्चे नशे के आदी हैं, विभिन्न अपराधों में लिप्त हैं, स्कूल छोड़ना, अपराध करना, आत्महत्या का प्रयास करना, चिंताओं और अवसाद से पीड़ित हैं। साक्षरता दर में वृद्धि के बावजूद, की प्रवृत्तिमार्गदर्शन सेवाओं की कमी के कारण बच्चों में गलत निर्णय लेने या भ्रमित होने की समस्या लगातार बढ़ रही है। जीवन के इस चरण में, किशोर विविध चुनौतियों से भेर होते हैं और यदि इन चुनौतियों का समाधान नहीं किया गया, तो वे बाद के जीवन में सामाजिक रूप से अनुपयुक्त बन सकते हैं। एक किशोर स्वयं भी परीक्षण-और-त्रुटि दृष्टिकोण का उपयोग कर सकता है और आदर्श वयस्कता में स्विच करने के लिए महत्वपूर्ण विकासात्मक कार्यों में महारत हासिल कर सकता है, लेकिन व्यवहार में, वे अपना कीमती समय होगी जिन्हें करना कठिन साबित हुआ है। वे इतने परिपक्व नहीं हैं कि अपने चारों ओर इन परिवर्तनों के कारण उत्पन्न होने वाली चौंकाने वाली स्थिति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें। इनमें से कई समस्याओं के लिए न केवल उपचारात्मक उपचार की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है। आज के युवा कल की आशा-भावी नागरिक और नेता हैं; इसलिए लोकतांत्रिक आदर्शों के अनुरूप योग्यता, व्यवहार और कार्य की आवश्यकता होती है, बल्कि निवारक प्रयास करने के लिए मार्गदर्शन और परामर्श पेशे से भी प्रमुखता से मदद की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, किशोरावस्था चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ उन लोगों के लिए, जो सामना कर रहे हैं और उन माता-पिता द्वारा बढ़ावा देना चाहते हैं। जाहिर है, हमें इन चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने और उचित समाधान खोजने की जरूरत है। स्कूलों में मार्गदर्शन और परामर्श का सिद्धांत अधिकारीकृत विषयों में प्रगति करना, संघर्ष समाधान के अधिग्रहण और अनुप्रयोग को बढ़ाना, सकारात्मक अध्ययन दृष्टिकोण और व्यवहार के बढ़ावा देना और बच्चों के स्कूल-पाठ्यक्रमों का सामना वे अपने माता-पिता, शिक्षकों

4

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के चुनाव सुधारों के अथक प्रयासों से मिली सफलता के बावजूद पश्चिमी बंगाल देश का एकमात्र राज्य है जहाँ हर स्तर के चुनावों में हिंसा का तांडव जारी है। पंचायत चुनावों में इस बार 50 से अधिक लोग चुनावी हिंसा का शिकार हुए। इनमें 12 से अधिक मुर्सिलम थे। आश्वर्य की बात यह है कि देश में लोकतंत्र की दुहाई देने वाले विपक्षी दलों ने अल्पसंख्यकों की हत्या पर घटिली आसू बहाना भी जरूरी नहीं समझा। यही विपक्षी दल भाजपा पर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार सहित दूसरे आरोपों को लेकर एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल हिंसा प्रभावित मणिगुरु में गए थे। किन्तु बंगाल में हुई भीषण हिंसा पर राहुल एक शब्द तक नहीं बोले। राहुल की हत्या दिखाई नहीं दी। बंगाल में हुई हिंसा में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सिफर इतना ही कहा कि बंगाल में लोकतंत्र नहीं है। कांग्रेस के फायरब्रांड नेता दिविजय सिंह ने कहा भयानक हुआ। डराने वाला है कि कननटक में विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बावजूद हिंसा में एक भी मौत नहीं हुई थी। पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने पंचायत चुनाव में हुई हिंसा पर कहा, हमारे जीपन पर जो देखा वह बहुत पेरेशन करने वाला है, वह हिंसा और हत्याएं हो रही हैं। एक बात जो मैं देखी है, वह यह है कि गरीब लोग ही मारे जाते हैं, हत्यारे भी गरीब हैं। गरीबी को खत्म करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय हम गरीबों को मार रहे हैं। बंगाल इसका हकदार नहीं है। भाजपा ने कहा, ह्याअगर यह मिला होता, तो हाहाकार मच गया होता। अब राहुल गांधी कहा हैँ वह मोहब्बत की दुकान खोलने वाले थे। हाँ राज्य सरकार ने संवेदनशील बूथ की सही संख्या नहीं दी, जितने लोग मारे गए हैं। इसमें राज्य के जिम्मेदार लोग शामिल हैं। फायरिंग, बमबारी, मतपेटी को जलाया गया। ये सारे नेता, जो हाथ पकड़-पकड़ कर राज्यों में खेड़ होते हैं, कहाँ हैं ये सारे नेता? कहाँ हैं लाल प्रसाद यादव, कहाँ हैं नीतीश कुमार और कहाँ हैं मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी? गृह मंत्रालय ने साफ कहा कि पंचायत चुनाव में उनके तैनाती वाले बूथों पर कोई हिंसा नहीं हुई है। जिन बूथों पर सीएपीएक तैनात की गई थी, वहाँ कोई अप्रिय घटना/हिंसा नहीं हुई है। यदि माहाल बिगाड़े की कोशिश की गई तो तुरंत शांति बहाल की गई। संवेदनशील बूथों पर सीएपीएक को तैनात किया जाना चाहिए था, लेकिन संबंधित जिलों की योजना बनाई। डीएम ने जिन बूथों पर केंद्रीय बल को सुरक्षा के लिए भेजा। वहाँ सीएपीएक ने व्यवस्था संभाली। बंगाल में पंचायत चुनाव का रिजल्ट आते ही हिंसा का दूसरा दौर शुरू हुआ। अद्वैसैनिक बलों की तैनाती की गई। अद्वैसैनिक बलों ने इंडियन सेक्युरिटी फ्रंट के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई तो वही हाथ में गोली लगाने से एपिडेशनल एसपी बुरी तरह से घायल हो गए। पूरा मामला काउटिंग से जुड़ा हुआ है, जहाँ गिनती में पहले आईएसएफ कैर्डिड ट आगे चल रहा था, लेकिन बाद में वह हार गया। इसी को लेकर शुरू हुए बवाल ने धीरे-धीरे बड़ी हिंसा का रूप ले लिया। 8 जुलाई को 74 हजार पंचायतों के लिए वोटिंग हुई थी, जहाँ कुछ मतदान केंद्र विवादित होने पर यहाँ दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान हर बूथ पर राज्य पुलिस के अलावा चार केंद्रीय बल के जवानों की तैनाती की गई थी। 9.48 प्रतिशत है। इमें ज्यादातर ममत की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। बंगाल के पंचायत चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा हिंसा के मामले उत्तर और दक्षिण 24 परगना के अलावा मुर्शिदाबाद और कुचिबिहार से सामने आए हैं। कुचिबिहार में तो टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी। पश्चिमी बंगाल में चुनावी खोफ का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि हजारों उम्मीदवार निविरोध विजयी हुए। डर के मारे लोगों ने पंचायत चुनाव लड़ का नामांकन दाखिल नहीं किया। निविरोध ज्यादातर तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जीते, हिंसा के डर से किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। नामांकन वापस लेने की निर्धारित समय सीमा के बाद पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग के आंकड़े पुष्टि करते हैं कि तीनों स्तरों पर 73887 सीटों में से 7005 सीटों पर उम्मीदवारों ने निविरोध जीत हासिल की है। मामले कलकत्ता हाईकोर्ट के अदास के बाद अनोखे रिकार्ड कायम कर रहा है। यह देश का ऐसा राज्य है जहाँ पंचायत स्तर पर चुनावी हिंसा को रोकने के लिए हाईकोर्ट के आदेश से अद्वैसैनिक बलों की तैनाती की गई। अद्वैसैनिक बलों की तैनाती का मामला बन्जर्जी कूचिबिहार से सामने आए हैं। कुचिबिहार में तो टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी। पकड़ के बाद उसमें पानी डाला और कुछ में आग भी लगा दी। इसके साथ ही उत्तर और दक्षिण एसी हिंसा को लेकिन लाल प्रसाद यादव ने दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान भी पश्चिमी बंगाल में 52 लोगों की जान गई थी। इस दौरान सिफर बीजेपी के कार्यकर्ताओं के बाद वोटिंग हुई थी, जहाँ कुछ मतदान केंद्र विवादित होने पर यहाँ दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान हर बूथ पर राज्य पुलिस के अलावा चार केंद्रीय बल के जवानों की तैनाती की गई थी।

बंगाल की चुनावी हिंसा पर विपक्ष चुप क्यों

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के चुनाव सुधारों के अथक प्रयासों से मिली सफलता के बावजूद पश्चिमी बंगाल देश का एकमात्र राज्य है जहाँ हर स्तर के चुनावों में हिंसा का तांडव जारी है। पंचायत चुनावों में इस बार 50 से अधिक लोग चुनावी हिंसा का शिकार हुए। इनमें 12 से अधिक मुर्सिलम थे। आश्वर्य की बात यह है कि देश में लोकतंत्र की दुहाई देने वाले विपक्षी दलों ने अल्पसंख्यकों की हत्या पर घटिली आसू बहाना भी जरूरी नहीं समझा। यही विपक्षी दल भाजपा पर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार सहित दूसरे आरोपों को लेकर एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल हिंसा प्रभावित मणिगुरु में गए थे। किन्तु बंगाल में हुई भीषण हिंसा पर राहुल एक शब्द तक नहीं बोले। राहुल की हत्या दिखाई नहीं दी। बंगाल में हुई हिंसा में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सिफर इतना ही कहा कि बंगाल में लोकतंत्र नहीं है। कांग्रेस के फायरब्रांड नेता दिविजय सिंह ने कहा भयानक हुआ। डराने वाला है कि कननटक में विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बावजूद हिंसा में एक भी मौत नहीं हुई थी। पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने पंचायत चुनाव में हुई हिंसा पर कहा, हमारे जीपन पर जो देखा वह बहुत पेरेशन करने वाला है, वह हिंसा और हत्याएं हो रही हैं। एक बात जो मैं देखी है, वह यह है कि गरीब लोग ही मारे जाते हैं, हत्यारे भी गरीब हैं। गरीबी को खत्म करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय हम गरीबों को मार रहे हैं। बंगाल इसका हकदार नहीं है। भाजपा ने कहा, ह्याअगर यह मिला होता, तो हाहाकार मच गया होता। अब राहुल गांधी कहा हैँ वह मोहब्बत की दुकान खोलने वाले थे। हाँ राज्य सरकार ने संवेदनशील बूथ की सही संख्या नहीं दी, जितने लोग मारे गए हैं। इसमें राज्य के जिम्मेदार लोग शामिल हैं। फायरिंग, बमबारी, मतपेटी को जलाया गया। ये सारे नेता, जो हाथ पकड़-पकड़ कर राज्यों में खेड़ होते हैं, कहाँ हैं ये सारे नेता? कहाँ हैं लाल प्रसाद यादव, कहाँ हैं नीतीश कुमार और कहाँ हैं मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी? गृह मंत्रालय ने साफ कहा कि पंचायत चुनाव में उनके तैनाती वाले बूथों पर कोई हिंसा नहीं हुई है। जिन बूथों पर सीएपीएक तैनात की गई थी, वहाँ कोई अप्रिय घटना/हिंसा नहीं हुई है। यदि माहाल बिगाड़े की कोशिश की गई तो तुरंत शांति बहाल की गई। संवेदनशील बूथों पर सीएपीएक को तैनात किया जाना चाहिए था, लेकिन संबंधित जिलों की योजना बनाई। डीएम ने जिन बूथों पर केंद्रीय बल को सुरक्षा के लिए भेजा। वहाँ सीएपीएक ने व्यवस्था संभाली। बंगाल में पंचायत चुनाव का रिजल्ट आते ही हिंसा का दूसरा दौर शुरू हुआ। अद्वैसैनिक बलों की तैनाती की गई। अद्वैसैनिक बलों ने इंडियन सेक्युरिटी फ्रंट के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई तो वही हाथ में गोली लगाने से एपिडेशनल एसपी बुरी तरह से घायल हो गए। पूरा मामला काउटिंग से जुड़ा हुआ है, जहाँ गिनती में पहले आईएसएफ कैर्डिड ट आगे चल रहा था, लेकिन बाद में वह हार गया। इसी को लेकर शुरू हुए बवाल ने धीरे-धीरे बड़ी हिंसा का रूप ले लिया। 8 जुलाई को 74 हजार पंचायतों के लिए वोटिंग हुई थी, जहाँ कुछ मतदान केंद्र विवादित होने पर यहाँ दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान हर बूथ पर राज्य पुलिस के अलावा चार केंद्रीय बल के जवानों की तैनाती की गई थी। 9.48 प्रतिशत है। इमें ज्यादातर ममत की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। बंगाल के पंचायत चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा हिंसा के मामले उत्तर और दक्षिण 24 परगना के अलावा मुर्शिदाबाद और कुचिबिहार से सामने आए हैं। कुचिबिहार में तो टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी। पश्चिमी बंगाल में चुनावी खोफ का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि हजारों उम्मीदवार निविरोध विजयी हुए। डर के मारे लोगों ने पंचायत चुनाव लड़ का नामांकन दाखिल नहीं किया। निविरोध ज्यादातर तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जीते, हिंसा के डर से किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। नामांकन वापस लेने की निर्धारित समय सीमा के बाद पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग के आंकड़े पुष्टि करते हैं कि तीनों स्तरों पर 73887 सीटों में से 7005 सीटों पर उम्मीदवारों ने निविरोध जीत हासिल की है। मामले कलकत्ता हाईकोर्ट के अदास के बाद अनोखे रिकार्ड कायम कर रहा है। यह देश का ऐसा राज्य है जहाँ पंचायत स्तर पर चुनावी हिंसा को रोकने के लिए हाईकोर्ट के आदेश से अद्वैसैनिक बलों की तैनाती की गई। अद्वैसैनिक बलों की तैनाती का मामला बन्जर्जी कूचिबिहार से सामने आए हैं। कुचिबिहार में तो टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी। पकड़ के बाद उसमें पानी डाला और कुछ में आग भी लगा दी। इसके साथ ही उत्तर और दक्षिण एसी हिंसा को लेकिन लाल प्रसाद यादव ने दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान भी पश्चिमी बंगाल में 52 लोगों की जान गई थी। इस दौरान सिफर बीजेपी के कार्यकर्ताओं के बाद वोटिंग हुई थी, जहाँ कुछ मतदान केंद्र विवादित होने पर यहाँ दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान हर बूथ पर राज्य पुलिस के अलावा चार केंद्रीय बल के जवानों की तैनाती की गई थी।

सेंसेक्स
66000.32 पर बंद
निफ्टी
19543.87 पर बंद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

सोना
59,213
चांदी
75,510

प्रवेग ने अहमदाबाद, गुजरात में एक नए फाइव-स्टार होटल के लिए करार पर हस्ताक्षर किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख हाँस्यटलटी कंपनी, प्रवेग लिमिटेड वर्ल्ड हॉटेल सिसी, अहमदाबाद में एक लाजीरी फाइव-स्टार होटल के साथ आ रही है। होटल सिंधु भवन रोड पर हर चीज़ कार्य, मनोरंजन, बैलेनस, सोलाक्रान्त के निकट स्थित होगा। गुजरात की लोजीरी हाँस्यटलटी को प्रदर्शित करते हुए होटल में सुंदर सिटी व्यू और औतानीशन सुविधाओं के साथ 76 कमे होगे। अपन स्कॉल डायरिंग, सामाजिक कार्यों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया मैटेंडलूला गृह, रिक्विरिंग गृह आदि जैसी छोटी सुविधाएं होंगी। सेलिब्रेशन के संक्षिप्त संदर्भ में होटल समाजिक कार्यों के लिए विशेष सुविधाएं ऑफर करने के साथ डेस्टिनेशन वेडिंग सुविधाएं जैसे अवसरके अनुसार वृक्षारोपण स्कूल वैकेट्स, जो 1200 मेहमानों की मेजेवाली कर सकते हैं, स्पेशल डिनर रूम और जक्कूजी सहित हीमून सुट की सुविधाएं भी ऑफर करेगा। होटल 1000-1200 प्रतिनिधियों तक के लिए विजनेस इंटर्कॉन्फ्रेंसी वैकेट्स के साथ सभी जैसी विशेष सेवाएं और विशेष हाँस्यटलटी के साथ सुविधाएं जैसी विशेष रूप से तैयार किया गया मैटेंडलूला गृह, रिक्विरिंग गृह आदि जैसी छोटी सुविधाएं होंगी। स्पान के विशेष सेवाएं और विशेष हाँस्यटलटी के साथ सुविधाएं जैसी विशेष रूप से तैयार किया गया मैटेंडलूला गृह, रिक्विरिंग गृह आदि जैसी छोटी सुविधाएं होंगी। इस अवसर पर बोलते हुए प्रवेग लिमिटेड के चेयरमैन, श्री विष्णु पटेल ने कहा, हम अहमदाबाद में हमारी उपर्युक्ति से हस्तित है। यह युनेक्स लार्लैंड होटेज मिटी में विशेष प्राथमिकता होगी। मैटेंडलूला गृह, रिक्विरिंग गृह आदि जैसी छोटी सुविधाएं होंगी।

दिल्ली में प्रॉपर्टी खरीदना हुआ महंगा, 25 लाख से अधिक की खरीदारी पर 1 प्रतिशत बढ़ा ट्रांसफर इयूटी शुल्क



कोयला से गैस ईंधन बनाने पर 6000 करोड़ रुपये करेगी सरकार, मंत्रालय ने कहा-घटेगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोयला से गैस ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार 6,000 करोड़ रुपये की योजना लाने पर विचार कर रही है। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि यह प्रौद्योगिकी अपनाने से कोयला क्षेत्र में क्रांति आ जाएगी। प्रक्रियक गैस, मेथनाल व अन्य ऊर्जाएं उत्पादन के आयात पर निर्भरता घटेगी। मंत्रालय ने कहा, कोयला/लिम्नाइट से गैस ईंधन बनाने की योजना के लिए इकाईयों का चयन पारसर्शी और प्रार्थसामिक नीलामी प्रक्रिया से होगा। योजना को दो रुपये है।

पहले खंड में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों को संबोध देती है। दूसरे खंड में निजी क्षेत्र और सरकारी उपकरण दोनों शामिल होंगे। इस खंड के तहत कम-से-कम एक परियोजना का चयन शुरू-आधारित बोली प्रक्रिया से होगा। इसके मानदंड तय करने के लिए आरोपीयों से परामर्श लिए जाएंगे। 2029-30 तक कोयला से 10 करोड़ टन गैस बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

रुपये में कारोबार से जुड़े मुद्दों के लिए निर्देश जल्द

अन्य देशों के साथ रुपये में व्यापार के दौरान नियांतकों के सामग्री के लिए आरोपीयों दो-तीन दिन में बैंकों को निर्देश जारी करेगा। सरकार के विशेष अधिकारी के मुताबिक, कुछ



नियांतकों ने वाणिज्य मंत्रालय को बताया कि व्यौरीदारी में कीमतों में गिरावट का फायदा उठाते हुए पाम तेल की खरीद बढ़ा दी। इसमें इसे आरोपीयों के समक्ष उत्पाद के लिए संवित्त एवं विस्तृत एसओपी बनाइ दी।

पाम तेल आयात जून में तीन माह के शीर्ष पर

देश का पाम तेल आयात जून, 2023 में 56 फीसदी बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कुल 6,83,133 टन पाम तेल के उच्च स्तरों पर आयात किया गया। सॉल्वेंट

एक्सट्रैक्टर्स एप्सोसिएशन अॉफ इंडिया के लिए आयात की खरीदारी में कीमतों में गिरावट का फायदा उठाते हुए पाम तेल की खरीद बढ़ा दी। मई में आयात 28 माह में सबसे कम रह रहा। उसमें सभी बैंकों के लिए प्रवितृत एसओपी बनाइ दी।

शेयरधारकों का 311 करोड़ नए शेयर

एचडीएफसी बैंक ने एचडीएफसी लि. के शेयरधारकों को बैंक के करीब 311 करोड़ नए शेयर अवार्टिंग किया है। बैंक ने शुक्रवार को बताया कि विलय योजना के तहत शेयर के विक्रेता योजना के तहत शेयर अदला-बदली अनुपात के अनुसार आवंटन के उच्च स्तर पर एक्सोपी एवं शेयरधारकों के प्रत्येक शेयरधारक को उनके हर 25 शेयर के लिए एचडीएफसी बैंक के 42 शेयर मिलते हैं।

भारत ने अमेरिकी कारोबारियों को पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया

केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन व पूर्वोत्तर शेरा विकास (डेनर) मंत्री जी, किशन रेडी ने अमेरिकी कारोबारियों और कंपनियों को भारत के जीवन तथा विविध पर्यटन क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। 5 दिनों यात्रा पर रेडी ने भारत के महावाणियज्ञ दूरावास में प्रावासी समुद्रय के एक कार्यक्रम में अमेरिकी कारोबारियों और कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया। न्यूयॉर्क में विभिन्न आधिकारिक और प्रवासी समुद्रय के कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचे रेडी ने भारत की आर्थिक वृद्धि, नेट और सोलार सेवाकरों की मैट्रिक इंडिया पहल, देश में स्टार्टअप परियोजनाओं के साथ ही देशभर में पर्यटन सेवे उठाने को बढ़ावा देने एवं उठाए जा रहे विभिन्न कार्यों का साथ ही देशभर के लिए आयात जानकारी का दृष्टिकोण पर भारतीय परियोजनों को हाल साल पर्यटक के रूप में भाग भेजने का आयान बढ़ावा देने पर एवं भारतीय मिलों, साथियों को संस्कृति, कृजूर, हस्कला व फिल्म पर्यटन से लकर सम्बत्वों, शादियों, वन्यजीव और प्रदर्शनीयों, ग्रामीण तथा आध्यात्मिक पर्यटन व उत्तम निवेश के लिए प्रैरित करने का अनुरोध किया।

एसबीआई ने 0.05 प्रतिशत महंगा किया कर्ज, आज से लागू

एसबीआई ने सभी अवधि के कर्ज के लिए सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एप्सीएलआर) 0.05 प्रतिशत बढ़ा दी है। नई दर 15 जुलाई, 2023 से लाग गयी। इस कदम से बैंक के उन ग्राहकों की मासिक किस्त बढ़ा जाएगी। सकार ने शुक्रवार को आईटी हार्डेवर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआर) योजने के दूसरे दिन चरण के तहत आवेदन प्राप्त करने की अतिरिक्त लिंग बढ़ावा करने के लिए एन्यूरेटिव हो जाएगी।

दर पर कर्ज लेने वाला ग्राहकों की मासिक किस्त पर इसका कोई अपर नहीं पड़ेगा। इस वृद्धि के साथ ग्राहकों को एक महीने तकी अवधि के कर्ज पर 8 फीसदी व्याज चुकाना पड़ेगा। तीन माह की अवधि के लिए यह दर 8.15 फीसदी और छह माह के लिए 8.45 फीसदी हो जाएगी। सकार ने शुक्रवार को आईटी हार्डेवर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआर) योजने के दूसरे दिन चरण के तहत आवेदन प्राप्त करने की अतिरिक्त लिंग बढ़ावा करने के लिए 31 जुलाई, 2023 कर दी है।

दर पर कर्ज लेने वाला ग्राहकों की मासिक किस्त पर इसका कोई अपर नहीं पड़ेगा। इस वृद्धि के साथ ग्राहकों को एक महीने तकी अवधि के कर्ज पर 8 फीसदी व्याज चुकाना पड़ेगा। तीन माह की अवधि के लिए यह दर 8.15 फीसदी और छह माह के लिए 8.45 फीसदी हो जाएगी। सकार ने शुक्रवार को आईटी हार्डेवर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआर) योजने के दूसरे दिन चरण के तहत आवेदन प्राप्त करने की अतिरिक्त लिंग बढ़ावा करने के लिए 31 जुलाई, 2023 कर दी है।

खाद्य तेल का आयात जून में 39.31 प्रतिशत बढ़कर 13.11 लाख टन पर

मुंबई, एजेंसी। मांग बढ़ने के कारण देश का खाद्य तेल आयात जून में पिछले साल के इत्याही महीने की तुलना में 39.31 प्रतिशत बढ़कर 13.11 लाख टन हो गया। इस कदम से बैंक के उन ग्राहकों की ग्राहकी और ग्राहकी ग्राहकों की ग्राहकी बढ़ा जाएगी। एक्सीएस एक्सोपी और इंडिया (एसईए) ने शुक्रवार को जहां जाएगी।

एसईए ने एक बैरान में कहा, जून 2022 में खाद्य तेल का आयात 9.41 लाख टन रहा था। इस साल जून में बनस्पति तेलों (खाद्य और अव्याधि) का कुल आयात 49 प्रतिशत बढ़कर 13.14 लाख टन हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 9.1 लाख टन था।

आयात में, 9,000 टन रहा था। अब यह जानकारी देश में खाद्य तेल का आयात बढ़ावा देने के लिए आधिकारियों से साथ आया था। इसके बाद यह जानकारी देश में खाद्य तेल का आयात बढ़ावा देने के लिए आधिकारियों से साथ आया था। इसके बाद यह जानकारी देश में खाद्य तेल का आयात बढ़ावा देने के लिए आधिकारियों से साथ आया था। इसके बाद यह जानकारी देश में खाद्य तेल का आयात बढ़ावा देने के लिए आधिकारियों से साथ आया था। इसके बाद यह जानकारी देश में खाद्य तेल का आयात बढ़ावा देने के ल

